

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर
गांधी आश्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

पूर्व प्रधानमंत्री स्व० श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया

चरखा चलाया तथा गांधी आश्रम में खादी के वस्त्र खरीदे

महात्मा गांधी के स्वदेशी, स्वावलम्बन और ग्राम स्वराज के
विचार आज भी भारत के विकास का आधार : मुख्यमंत्री

महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन
आचार—विचार की एकरूपता तथा राष्ट्रसेवा की प्रेरणा

बापू के स्वच्छता के सपने को साकार करने के लिए
प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छ भारत अभियान प्रारम्भ किया

गांधी जी ने चरखे को केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि
स्वावलम्बन, आत्मसम्मान और आर्थिक स्वतन्त्रता का प्रतीक बनाया

खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि यह भारत की स्वतन्त्रता
की स्मृति, स्वदेशी की भावना और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

प्रधानमंत्री जी ने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को
साकार करने के लिए देश में स्वच्छ भारत अभियान प्रारम्भ किया

‘एक जनपद, एक उत्पाद योजना’ के माध्यम से
स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही

ग्राम सचिवालयों के माध्यम से गांवों को स्वावलम्बन
और जनसुविधाओं का केन्द्र बनाया जा रहा

लखनऊ : 02 अक्टूबर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूज्य बापू की जयन्ती के साथ ही आज भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूज्य बापू के अनन्य अनुयायी श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की भी जयन्ती है। इन दोनों महापुरुषों का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। इनके जीवन से यह सीख मिलती है कि वाणी में तभी प्रभाव और शक्ति आती है, जब व्यक्ति के आचार और विचार में समन्वय हो। दोनों महापुरुषों ने जो कहा, उसे अपने जीवन में करके दिखाया।

मुख्यमंत्री जी आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर यहां हजरतगंज स्थित क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व०

श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर भी माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री जी ने चरखा चलाया तथा गांधी आश्रम में खादी के वस्त्र खरीदे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुजरात के पोरबंदर में एक वैष्णव परिवार में जन्मे महात्मा गांधी ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद दक्षिण अफ्रीका में वकालत की। अपने पारिवारिक संस्कारों के अनुरूप उन्होंने अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई तथा रंगभेद के खिलाफ संघर्ष किया। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के नागरिकों को एकजुट कर उन्होंने अभियान चलाया और यहीं से भारत की स्वाधीनता की अलख जगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया।

महात्मा गांधी ने भारत के स्वाधीनता आन्दोलन को लोकतान्त्रिक और शान्तिपूर्ण तरीके से नेतृत्व प्रदान करते हुए, इसे जन आन्दोलन में परिवर्तित किया। उनके मंत्र आज भी प्रासंगिक हैं। प्रत्येक नागरिक स्वच्छता व स्वदेशी को जीवन का मंत्र बनाए। प्रत्येक परिवार आत्मनिर्भर बनने के निरन्तर प्रयास करे।

जिस समय देश में निराशा और हताशा का वातावरण था और लोगों को लगता था कि भारत शायद कभी स्वतन्त्र नहीं हो सकेगा, उस समय महात्मा गांधी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारतीय समाज उस निराशा से उबरकर स्वाधीनता के लिए उत्साहपूर्वक आगे बढ़ा। स्वतन्त्रता आन्दोलन कुछ नगरों तक सीमित न रहकर गांव-गांव तक पहुंचा। नर, नारी और बच्चे सभी इस आन्दोलन का हिस्सा बने। दुनिया के लिए यह आश्चर्य का विषय था कि आधी धोती पहनने वाला तथा हाथ में एक लाठी का सहारा लेने वाला व्यक्ति किस प्रकार करोड़ों भारतीयों को एकजुट कर स्वतन्त्रता आन्दोलन का नेतृत्व कर रहा है।

भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन में स्वदेशी और खादी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गांधी जी ने चरखे को केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि स्वावलम्बन, आत्मसम्मान और आर्थिक स्वतन्त्रता का प्रतीक बनाया। आज भी खादी केवल वस्त्र नहीं है, बल्कि यह भारत की स्वतन्त्रता की स्मृति, स्वदेशी की भावना और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए देश में स्वच्छ भारत अभियान प्रारम्भ किया। इस अभियान के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक परिवारों के घरों में शौचालयों का निर्माण किया गया। स्वच्छ भारत अभियान केवल स्वच्छता और स्वस्थ भारत की आधारशिला नहीं बना, बल्कि इसने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ नारी गरिमा की रक्षा का भी नया सन्देश दिया।

महात्मा गांधी के स्वदेशी और स्वावलम्बन के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए आज 'एक जनपद, एक उत्पाद' (ओडीओपीओ) जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। 'लोकल को ग्लोबल' बनाने का प्रधानमंत्री जी का मंत्र बापू के स्वदेशी और स्वावलम्बन के विचारों को आगे बढ़ाता है।

विकसित भारत की संकल्पना आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से ही पूरी होगी और आत्मनिर्भरता की शुरुआत स्थानीय स्तर से होती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज की परिकल्पना की थी। लम्बे समय तक विकास की चर्चा में गांव जैसी आधारभूत इकाई की उपेक्षा हुई, लेकिन आज सरकार गांवों को स्वावलम्बन का आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के गांवों में ग्राम सचिवालयों का गठन किया गया है। ग्राम सचिवालय के माध्यम से तकनीक का उपयोग करते हुए ग्रामीणों को उनके गांव में ही विभिन्न नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्राम सचिवालयों के माध्यम से चार से सात लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जो समाज अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव रखते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करता है, उसका भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल होता है। नया भारत महात्मा गांधी के इन्हीं सपनों को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन सादगी, भारतीयता और राष्ट्र के प्रति समर्पण से ओत-प्रोत था। जब देश के सामने संकट आया तो उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। 'जय जवान, जय किसान' का उनका उद्घोष भारत के राष्ट्रीय जीवन का मंत्र बन गया। सीमाओं पर भारत का जवान देश की रक्षा कर रहा है, तो खेतों में भारत का अन्नदाता किसान देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए परिश्रम कर रहा है।

एक समय भारत को गेहूं और खाद्यान्न की आपूर्ति के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था। अनेक अवसरों पर देश को ऐसी खाद्य सामग्री पर भी निर्भर रहना पड़ा, जिसकी गुणवत्ता सन्तोषजनक नहीं थी। आज भारत खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के साथ ही दुनिया के अनेक देशों की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भी सक्षम हुआ है। इस आत्मनिर्भरता की नींव श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' के मंत्र ने मजबूत की थी।

महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन हम सभी को राष्ट्रसेवा, सादगी, स्वदेशी, स्वावलम्बन, आत्मनिर्भरता और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। उनके विचारों को आत्मसात करते हुए नया भारत निरन्तर आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री राकेश सचान, सांसद श्री बृजलाल, विधान परिषद सदस्य डॉ० महेन्द्र सिंह, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, विधायक श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।